

1	2	3	4	5
Ghaziabad— (Contd.)	Hapur— (Contd.)	Achocheja— (Contd.)	217	0.436
			219 M	0.076
			220	0.038
			221	0.430
			222	0.190
			224	0.890
			227	0.278
			229 M	0.461
			232	2.218
			233	0.580
			236	1.115
			237	0.453
			239	2.591
			241	0.413
			242	0.767
			244	0.762
			245	0.206
			246	0.052
			249	0.061
			250	0.095
			251	0.015
			252	0.025
			254	0.167
			255	0.553
			273	0.063
			274	0.054
			275	1.419
			277	0.038
			278 M	0.036
			279	0.493
			280	0.101
			283	1.945
			284	0.051
			285	0.946



प्रकाशक नं० ४५०० जी०-४१

प्रकाशक का पता: प्रो० आर्यभट्ट, लखनऊ

सरकारी गजट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेशीय सरकार द्वारा प्रकाशित

असाधारण

विधायी परिशिष्ट

भाग—४, खण्ड (ख)

(परिनियत आदेश)

लखनऊ, शनिवार, २१ अगस्त, १९९९

श्रावण ३०, १९२१ शक संवत्

उत्तर प्रदेश सरकार

आवास अनुभाग-३

संख्या १०२३/९-आ-३-९९-१५६ एल० ए०-९७

लखनऊ, २१ अगस्त, १९९९

अधिसूचना

पृ० आ०-४६६

भूमि अर्जन अधिनियम, १८९४ (अधिनियम संख्या १ सन् १८९४) की धारा ४ की उपधारा (१) के अधीन राज्यपाल सर्वसाधारण की सूचना के लिये अधिसूचित करते हैं कि नीचे दी गयी अनुसूची में उल्लिखित भूमि की लोक प्रयोजन, अर्थात् सुनियोजित विकास योजनागत हापुड़-पिलखुआ विकास प्राधिकरण, हापुड़ द्वारा ग्राम अछोजा, परगना व तहसील हापुड़, जिला-गाजियाबाद में क्षेत्रीय नियोजित विकास योजना के लिये आवश्यकता है।

२—चूंकि राज्यपाल की राय है कि उक्त अधिनियम की धारा १७ की उपधारा (१) के उपबन्ध उक्त भूमि पर लागू होते हैं, क्योंकि उक्त भूमि की लोक प्रयोजन अर्थात् सुनियोजित विकास योजनागत हापुड़-पिलखुआ विकास प्राधिकरण द्वारा ग्राम अछोजा, परगना हापुड़ तहसील हापुड़, जिला-गाजियाबाद में क्षेत्रीय नियोजित विकास योजना के लिये अत्यधिक आवश्यकता है और इस आवश्यकता की दृष्टि से यह भी आवश्यक है कि उक्त अधिनियम की धारा ५-क के अधीन जांच करने में सम्भावित विलम्ब को विवर्जित किया जाये, अतएव, राज्यपाल उक्त अधिनियम की धारा १७ की उपधारा (४) के अधीन यह भी निवेश देते हैं कि उक्त अधिनियम की धारा ५-क के उपबन्ध लागू नहीं होंगे।